ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-07-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-07-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-07-13	2022-07-14	2022-07-15	2022-07-16	2022-07-17
वर्षा (मिमी)	5.0	10.0	3.0	1.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	34.0	34.0	36.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	24.0	25.0	25.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	90	85	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	50	45	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	12.0	12.0	10.0	10.0
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	7	7	2	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (5 - 11 जुलाई, 2022) में 84.6 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा तथा कहीं-कहीं बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 29.0 से 36.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 26.9 से 28.5 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 70 से 90 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 56 से 82 प्रतिशत एवं हवा 1.6 से 4.7 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व व पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, कहीं-कहीं बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा की सम्भावना है।अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 34.0 से 36.0 व 24.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 8.0-12.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 17 से 23 जुलाई के दौरान राज्य में वर्षा, न्यूनतम तथा अधिकतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है|

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, कहीं-कहीं बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा की सम्भावना है। पशुओं को बारिश का पानी न पिलायें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फसल की रोपाई इस माह में समाप्त कर लें। धान की रोपाई हेतु पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20 सेमी0 तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी0 रखें तथा एक स्थान पर 2-3 पौधे लगाने चाहिए, रोपाई 2-3 सेमी0 गहराई से ज्यादा नहीं करनी चाहिए। रोपाई से 10 दिन के अन्दर मरे पौधों की जगह फिर से रोपाई करें।
गन्ना	गन्ने की फसल में जलभराव वाले खेतों में जल निकास की व्यवस्था बनायें रखे। फसल बढ़वार अच्छी होने पर 5 फीट की ऊंचाई पर बंधाई कर लें।
मक्का	जून मे बोई गयी मक्का की फसल मे यथा समय निराई-गुड़ाई बुवाई के 15 तथा 30 दिन पर करें। जब फसल लगभग दो फीट की हो जाय तब नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग करें व खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर मक्का की बुवाई पूर्ण करें।
काला चना	उर्द की बुवाई माह के द्वितीय पखवाड़े में मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
भिण्डी	जिन किसान भाइयों ने भिण्डी का बीज नहीं बोया है वे बीज की बुवाई शीघ्र कर लें तथा पिछले माह में बोई गयी फसल में निराई-गुड़ाई व जल निकास की व्यवस्था करें। बुवाई हेतु भिण्डी की वर्षा कालीन प्रजातियां जिसमें पीट शिरा रोधक क्षमता पायी जाती है का चुनाव करें।
सोयाबीन	सोयाबीन के खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में मौसम अनुरुप निराई-गुड़ाई कर खरपतवार निकाल दें तथा अगेती फसल में जल निकास की व्यवस्था करें।
मिर्च	इस माह में मिर्च की रोपाई मेंड़ों पर करें, मेड़ों पर इसकी दूरी कतार से कतार 50 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 50 सेमी रखें एवं जल निकास की उचित व्यवस्था कर,ें क्योंकि खेत में 24 घण्टे में पानी रहने से फसल सूख जाती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों की ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफ-सुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।
गाय	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों की ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफ-सुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।